

प्रा.डॉ. क्षितिज यादवराव धुमाळ
एम्.ए.,पीएच.डी.
अधिव्याख्याता, हिंदी विभाग,
कला व वाणिज्य महाविद्यालय
वडूज, जि. सातारा (महाराष्ट्र)

— प्रमाण पत्र —

मैं प्रमाणित करता हूँ कि संतोष शंकर साळुंखे ने शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर की एम्.फिल. (हिंदी) उपाधि के लिए प्रस्तुत लघुशोध-प्रबंध "२० वीं सदी के अंतिम दशक के ग्रामीण उपन्यासों में सांप्रदायिकता" ('डूब', 'इदन्नमम' और 'मुखडा क्या देखे' के विशेष संदर्भ में) मेरे निर्देशन में बड़े परिश्रम से साथ सफलतापूर्वक पूरा किया है। यह उनके ^{प्राथमिक शोधकार्य} मौलिक स्वयं है। पूर्व योजना के अनुसार शोधार्थी ने मेरे सुझावों का आदर्यंत पालन किया है। जो तथ्य लघुशोध-प्रबंध में प्रस्तुत किए गए हैं; मेरी जानकारी के अनुसार सही हैं। यह ^{शोधकार्य} स्वयं इससे पहले इस विश्वविद्यालय या अन्य किसी विश्वविद्यालय में एम्.फिल. (हिंदी) उपाधि के लिए प्रस्तुत नहीं ^{गया} किया ^{गया} है।

स्थान - सातारा

शोध-निर्देशक

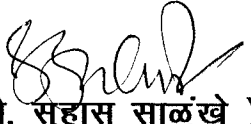
तिथि - 30 अप्रैल, 2009

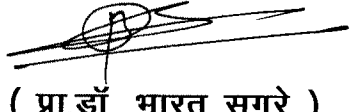
(प्रा.डॉ. क्षितिज यादवराव धुमाळ)

प्रा.डॉ. क्षितिज यादवराव धुमाळ
अधिव्याख्याता, हिंदी विभाग,
कला व वाणिज्य महाविद्यालय,
वडूज जि. सातारा (महाराष्ट्र)

– संस्तुति –

हम संस्तुति करते हैं कि संतोष शंकर साळुंखे द्वारा एम्.फिल. (हिंदी) उपाधि के लिए प्रस्तुत “२० वीं सदी के अंतिम दशक के ग्रामीण उपन्यासों में सांप्रदायिकता” (‘डूब’, ‘इदन्नमम’ और ‘मुखडा क्या देखे’ के विशेष संदर्भ में) लघुशोध-प्रबंध परीक्षणार्थ अग्रेषित किया जाए।


(श्री. सुहास साळुंखे)
प्राचार्य, प्राचार्य
माल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय,
लालबहादुर शास्त्री महाविद्यालय,
सातारा (महाराष्ट्र)


(प्रा.डॉ. भारत सगरे)
अध्यक्ष, हिंदी विभाग,
लालबहादुर शास्त्री महाविद्यालय,
सातारा (महाराष्ट्र)



स्थान – सातारा

तिथि – 30 अप्रैल, 2009

— प्रख्यापन —

मैं प्रख्यापित करता हूँ कि “२० वीं सदी के अंतिम दशक के ग्रामीण उपन्यासों में सांप्रदायिकता” (‘डूब’, ‘इदल्लमम’ और ‘मुखडा क्या देखे’ के विशेष संदर्भ में) लघुशोध-प्रबंध मेरा ^{अपना शोध कार्य} मौलिक ~~कार्य~~ है, जो एम्.फिल. (हिंदी) उपाधि के लिए प्रस्तुत किया जा रहा है। यह ^{शोध कार्य} ~~स्वयं~~ इससे पहले शिवाजी विश्वविद्यालय या अन्य किसी विश्वविद्यालय में एम्.फिल. (हिंदी) उपाधि के लिए प्रस्तुत नहीं किया गया है।

स्थान – सातारा

तिथि- 30 अप्रैल, 2009

शोध छात्र
Sanjay Rishi

(सतीश शंकर साळुंखे)